डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 22 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 04 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

युवक के साथ मारपीट, चार पर मामला दर्ज

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। अभिनंदन नगर में अलावदा खेड़ी के एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। जिसमें चार युवको के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

शहर कोतवाली पुलिस ने बताया कि अनिल पिता गोकुल दरिंग निवासी अलावदाखेड़ी के साथ विकास पिता बंकट हप्पा निवासी कल्पना नगर, संजय हप्पा निवासी अभिनंदन नगर, बंकट हप्पा निवासी कल्पना नगर और सत्तु हप्पा निवासी कल्पना नगर ने मारपीट कर गाली गलौज की। मामले में अनिल दरिंग का युवको द्वारा मारपीट कर सर फोड़ दिया गया था। जिसके बाद अनिल को बड़े अस्पताल लाया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है।

रेलवे ने शुरु की अनारक्षित टिकट ट्रेनें

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। रेलवे ने त्योहारी सीजन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों के अतिरिक्त दबाव को कम करने के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई हैं। जो कि वेस्टर्न रेलवे रतलाम मंडल के स्टेशनों से होकर गुजरेगी।रेलवे द्वारा जानकारी के अनुसार बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर, गोरखपुर-वलसाड, उधना-जयनगर व जयनगर-उज्जैन के बीच एक-एक फेरा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। यह ट्रेने पूरी तरह अनारक्षित है।

बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर-वलसाड़ स्पेशल...

गाड़ी संख्या 09093 बांद्रा टर्मिनस गोरखपुर स्पेशल 3 नवंबर को बांद्रा टर्मिनस से 4.40 बजे चली है, जो सोमवार 4 नवंबर को 18 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन सोमवार को 16.20 बजे रतलाम व 18.20 बजे उज्जैन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09094 गोरखपुर वलसाड स्पेशल सोमवार 4 नवंबर को गोरखपुर से 22 बजे चलेगी। बुधवार 6 नवंबर को 6 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन मंगलवार को 18.35 बजे उज्जैन तथा 21.20 बजे रतलाम पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर रुकेगी...

इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में उधना, सूरत, वडोदरा, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई नगर, झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, मनकापुर, बस्ती एवं खलिलाबाद स्टेशनों पर ठहराव दिया है। गाड़ी संख्या 09093 बांद्रा टर्मिनस गोरखपुर स्पेशल बोरीवली, पालघर, दहाणू रोड, वापी एवं वलसाड स्टेशनों पर भी रूकेगी। इस ट्रेन में तीन स्लीपर व 14 सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे, जो सभी अनारक्षित रूप में चलेगी।

उधना-जयनगर-उज्जैन स्पेशल...

गाड़ी संख्या 09039 उधना-जयनगर स्पेशल 3 नवंबर को उधना से 7.25 बजे चली जो रतलाम मंडल के रतलाम (14.30/14.40) एवं उज्जैन (16.35/16.50) होते हुए मंगलवार को 2 बजे जयनगर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09040 जयनगर उज्जैन स्पेशल मंगलवार 5 नवंबर को जयनगर से 5.30 बजे चलकर बुधवार को 16 बजे उज्जैन स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में संतहिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा एवं मधुबनी रेलवे स्टेशनों पर रुकेगी। गाड़ी संख्या 09039 उधना जयनगर स्पेशल का सूरत, सायण, भरूच, वडोदरा एवं गोधरा स्टेशन पर भी ठहराव रहेगा। इस ट्रेन में 5 स्लीपर एवं 10 सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे जो सभी अनारक्षित रूप में चलेगी।

पार्किंग का अभाव, लाखों रुपए का हुआ धुआं

फाईल फोटो

लापरवाही बनी वायू प्रदूषण की जिम्मेदार

फाईल फोटो

यह है जाम के कारण...

- ✻ एकांकी मार्ग पर दोनों तरफ से वाहनों की आवाजाही।
- ✻ शहर में पार्किंग स्थलों का नहीं होना।
- ✻ शहर में कहीं भी ट्राफिक सिग्नल नहीं होना।
- ✻ शहर में प्रतिबंध के बावजूद भारी वाहनों का प्रवेश।
- ✻ बैंक सहित कई संस्थानों के पास पार्किंग नहीं होना।
- ✻ शादी-ब्याह के सीजन में मुख्य मार्गों निकलने वाले बैंडबाजे-बारात।
- ✻ मुख्य मार्गों पर विचरण करते पशु।
- ✻ प्रतिबंध के बावजूद गांधी चौराहा पर धरने और प्रदर्शन।

इन जगहों पर लगता जाम या फर्स्ट-सेकंड गेयर की जरुरत...

✻ नयापुरा रोड़ पर थोड़ी-थोड़ी देर में जाम की स्थिति बनती है। ✻ शुक्ला चौक से घंटाघर की तरफ जाने वाले रास्ते पर लग रहा जाम। ✻ बस स्टैंड से दयामंदिर जाने वाले रास्ते पर लगता है जाम। ✻ कालाखेत से नेहरु बस स्टैंड जाने वाला रास्ते पर कई बार बनती जाम की स्थिति। ✻ युवराज क्लब से नेहरु बस स्टैंड जाने वाला रास्ता होता जाम का शिकार। ✻ नई आबादी में गुप्ता रेस्टोरेंट वाली गली में लगता है जाम। ✻ बीपीएल चौराहा से गांधी चौराहा आते समय फर्स्ट या सेकंड गेयर मांगती गाड़ी।

ऐसे समझे पेट्रोल-डीजल का गणित...

- ✻ प्रतिदिन औसतन चार बार जाम। जिसमें फंसती हैं सैकड़ो कारे।
- ✻ एक कार को जाम से निकलने में औसतन 20 मिनट तक का समय लग जाता है।
- ✻ लगभग रेंगते हुए आगे बढ़ने में ईंधन खर्च 70 फीसदी तक बढ़ जाता है।
- ✻ एक लीटर में 15 किमी चलने वाली कार का जाम में एवरेज पांच किमी प्रति लीटर रह जाता है।
- ✻ कुल एक घंटे के जाम में करीब सैकड़ो लीटर अतिरिक्त ईंधन खपत।
- ✻ इस तरह अकेले कारों में ही हजारों का अतिरिक्त ईंधन खपत।
- ✻ अन्य वाहनों को जोड़ें तो आंकड़ा और बढ़ जाएगा।

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर में पार्किंग का अभाव जेब पर भारी पड़ रहा है। इसके कारण लाखों रुपए का धुआं आसमान में उड़ गया। लोगों पर आर्थिक बोझ तो बढ़ा ही सही, पार्किंग को लेकर की जा रही लापरवाही वायु प्रदूषण के लिए भी जिम्मेदार बनी। जी हां.. हम बात कर रहे हैं त्योहारों पर जगह-जगह लगने वाले जाम की। हर बार की तरह दीपोत्सव पर्व पर बाजार में भारी भीड़ रही। सामान्य दिनों में भी कई मार्गो पर 10 मिनट जाम की स्थिति कई बार बनती है। लेकिन, इन त्योहार पर तो आधे घंटे तक वाहन कछुआ गति से रेंगते हुए नजर आए। सेकंड या फर्स्ट गेयर में वाहन को चलने का कारण जाम बना। इसका असर पेट्रोल-डीजल की खपत पड़ा। सामान्य दिनों में जहां हजारों का पेट्रोल-डीजल सिर्फ जाम के कारण हवा में जबरन उड़ता है। त्योहारों पर यह आंकड़ा लाखों तक पहुंच गया। फर्स्ट और सेकंड गेयर में वाहन चलाने के कारण पेट्रोल डीजल की खपत बढ़ी। शहर में सामान्य दिनों में भी यहां पेट्रोल-डीजल की खपत के साथ ही परेशानी अलग से झेलना पड़ रही है। वहीं वायु प्रदूषण का कारण भी यह जाम बन रहा है। इसके बावजूद जिम्मेदार उदासीन है। मुख्य चौराहों या मार्गो पर लगने वाले जाम के कारणों की जानकारी सभी को है। लेकिन, इसका हल निकालने को कोई तैयार नहीं है। सिर्फ कागजों में पार्किंग व्यवस्था तैयार हो रही है।

केंद्र के एक नियम से मप्र के 246 निजी और 25 सरकारी पैरामेडिकल शिक्षण संस्थानों की मान्यता उलझी

भोपाल, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। केंद्र सरकार की एक व्यवस्था की वजह से पिछले एक वर्ष से मध्य प्रदेश के 246 निजी और 25 सरकारी पैरामेडिकल शिक्षण संस्थाओं की मान्यता उलझी हुई है। इन संस्थाओं ने सत्र 2023-24 की मान्यता के लिए आवेदन किया था, लेकिन नहीं मिल पाई। इस वर्ष भी मान्यता पर असमंजस है। इसके लिए प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विभाग के अधिकारियों को केंद्र सरकार से समन्वय करने के लिए कहा है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष पैरामेडिकल और एलाइड काउंसिल को अलग-अलग करने की अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद जिन राज्यों में पैरामेडिकल काउंसिल थी, उन्हें भंग कर दिया गया, लेकिन केंद्र ने अभी तक इसके नियम नहीं बनाए। इस कारण मान्यता उलझी हुई है। यहां पर यह बता दें कि हाई कोर्ट में प्रकरण विचाराधीन होने के कारण सत्र 2023-24 में प्रदेश में किसी नर्सिंग कालेज को भी मान्यता नहीं मिल पाई थी। अब वही स्थिति पैरामेडिकल संस्थानों की हो गई है।

चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के अधिकारियों ने बताया एलाइड काउंसिल में जो पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं, उन्हें मान्यता दी जा रही है, पर पैरामेडिकल काउंसिल में आने वाले पाठ्यक्रमों को मान्यता नहीं दी जा सकती। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने पैरामेडिकल काउंसिल को भंग करने की अधिसूचना पिछले वर्ष जारी की थी। इसके बाद राज्यों ने अपनी पैरामेडिकल काउंसिल को भंग कर दिया। केंद्र ने अभी तक यह भी निर्धारित नहीं किया है कि कौन से पाठ्यक्रम पैरामेडिकल में रहेंगे और कौन से एलाइड में। पहले अधिकतर डिप्लोमा पाठ्यक्रम पैरामेडिकल में थे, जबकि सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम एलाइड में। इसी आधार पर एलाइड से जुड़े पाठ्यक्रमों के नए संस्थानों को अनुमति दी जा रही है। मध्य प्रदेश पैरामेडिकल काउंसिल के अधिकारियों ने बताया कि पहले से संचालित संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को कोई दिक्कत नहीं आ रही है, क्योंकि उनके पूरे पाठ्यक्रम की मान्यता शुरुआत में ही मिल जाती है।

दुकान में रखा 1 लाख का सामान चोरी

पिपलियामंडी, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। इलेक्ट्रॉनिक दुकान में रखा करीब एक लाख का सामान चोरी हो गया। पुलिस ने केस दर्ज किया। कचनारा निवासी राजेन्द्र पिता कन्हैयालाल बैरागी ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि अज्ञात चोर दुकान के पीछे लकड़ी के गेट की सांकल को तोड़कर घुसे और दुकान में रखी 32 इंच की 5 एलईडी, 4 मिक्सर, 1 हार्स पावर की विद्युत मोटर, 20 ट्यूबलाइ, 20 प्लार, 10 चार्जिंग बल्ब, 5 पंखे, 4 चांदी के सिक्के व एक हजार रुपए नकदी चोरी कर ले गए। सुबह दुकान गए तो चोरी का पता चला। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया।

मारपीट, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। खेत की मेड के पत्थर हटाने के विवाद में मारपीट पर पुलिस ने पिता-पुत्र पर केस दर्ज किया। चिल्लोद पिपलिया निवासी बलवन्तसिंह पिता निर्भयसिंह सौंधिया ने बूढा चोकी पर शिकायत दर्ज कराई कि खेत की मेड के पत्थर हटे होने पर पास में खेत पर काम कर रहे विनोदसिंह पिता लक्ष्मणसिंह व उसके लड़के अर्जुनसिंह ने गाली-गलौज कर मारपीट की। पुलिस ने पिता-पुत्र पर केस दर्ज किया।

मेले की तैयारी-सोमवार 4 तारीख को मेला ग्राउंड में ले आउट डालने का कार्य किया जाएगा। बुधवार 6 तारीख को सील बंद लिफाफों को खोलकर दुकानों का आवंटन किया जाएगा। जिसके चलते बाहरी व्यापारियों का मेला ग्राउंड में पहुंचना शुरू हो गया है। मंदसौर पशुपतिनाथ परिसर में लगने वाले कार्तिक मेले का शुभारंभ 11 को है, जिसको लेकर नगरपालिका द्वारा तैयारिया पूर्व में की जा चुकी है।

मौसम कर रहा बीमार

दोपहर में तपन और रात में ठंडक, एक पखवाड़े बाद शुरु होगी सर्दी

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आमतौर पर नवंबर माह में ठंड शुरू हो जाती है। लेकिन, इस बार न तो ज्यादा सर्दी रहेगी और न तापमान में ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। इस महीने एक पखवाड़े के बाद सर्दी बढ़ने की संभावना है। इसके बाद दिसंबर व जनवरी में अच्छी ठंड रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस बार नवंबर में तेज सर्दी की संभावना कम है। क्योंकि, इस समय प्रशांत महासागर पर अलनीनो तटस्थ है। वहीं हिंद महासागर पर डाइपोल की स्थिति रहने की संभावना है। अलनीनो का असर नवंबर के आखिरी तक और दिसंबर में भी रहने की संभावना बन रही है। इससे नवंबर में इस बार तापमान सामान्य या उससे ज्यादा रह सकता है। इसके चलते नवंबर में ज्यादा सर्दी नहीं रहेगी। दिसंबर से अच्छी सर्दी की संभावना है।

बीते 4 साल में ऐसा रहा नवंबर का तापमान...

वर्ष 2020 में 28 नवंबर को 10 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। इसके बाद तापमान में तेजी आई थी और पारा 13 डिग्री के ऊपर रहा था। नवंबर में तापमान 26 से 31 डिग्री के बीच दर्ज किया गया था।

वर्ष 2021 में नवंबर माह के 6 दिन ऐसे थे, जब तापमान 13 डिग्री से कम रहा था। इसमें 12 से 17 नवंबर तक पारा 12 डिग्री के बीच दर्ज किया गया था। इसके बाद तापमान में तेजी देखने को मिली थी।

वर्ष 2022 में नवंबर ज्यादा ठंडा नहीं था। इस महीने सिर्फ 27 नवंबर को तापमान 10.5 डिग्री दर्ज किया गया था। नवंबर महीने के शुरुआती 10 दिनों का तापमान 18-19 डिग्री के बीच रहा था। 2023 के नवंबर में 12 से 13 डिग्री के आसपास तापमान दर्ज किया गया था। आखिरी में 10 डिग्री तक तापमान पहुंचा था।

दिसंबर और जनवरी में होगी अच्छी ठंड...

वैसे भी शहर में नवंबर महीने में ज्यादा ठंड नहीं रहती है। इस बार अलनीनो के कारण तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं होगी। दिसंबर में तापमान 10 डिग्री तक पहुंच सकता है। क्योंकि, हर बार यही ट्रेंड रहता है। इसके बाद जनवरी में ठंड रहेगी। मौसम वैज्ञानिको का कहना है कि इस महीने तेज सर्दी की संभावना कम है। नवंबर की तुलना में दिसंबर और जनवरी में ठंड बढ़ेगी। इस महीने की शुरुआत में अधिकतम तापमान 31 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। वर्तमान में 35 डिग्री के आसपास तापमान चल रहा है। इसमें ज्यादा गिरावट की संभावना नहीं है।

पुलिस पेट्रोल पंप पर अब नगद में नहीं भरेंगे ईंधन

15 नवंबर से डिजीटल पेमेंट अनिवार्य, आदेश जारी

भोपाल, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस वेलफेयर संस्थाओ द्वारा संचालित पेट्रोल पम्प, एलपीजी सेंटर और सुपर बाजार समेत अन्य स्थानों पर अब 15 नवंबर से सिर्फ डिजिटल मोड पर ही पेमेंट स्वीकार होगा। पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश के सभी जिला पुलिस कप्तान और सेनानियों को पत्र लिखकर यह निर्देश जारी किए हैं। पुलिस द्वारा संचालित इन यूनिटस में गबन के गंभीर मामले सामने आने के कारण यह फैसला लिया गया है। जिन स्थानों पर नगद लेनदेन पर पूरी तरह से प्रतिबंध नहीं लगाने की स्थिति है, वहां भी एक जनवरी से नगद के बजाय डिजिटल पेमेंट ही एक्सेप्ट किए जाएंगे।

पत्र में कहा गया है कि पुलिस महानिदेशक और पुलिस महा निरीक्षक सम्मेलन 2016 में सभी पुलिस संगठनों से केश लेस को अधिक से अधिक बढ़ावा देने की अनुशंसा की गई थी। इसके बाद गृह मंत्रालय द्वारा केपीकेबी के लेन-देन में जीएसटी में 50 प्रतिशत की छूट देने के साथ 100 प्रतिशत केश लेस भुगतान किया जाना तय किया गया है। यह सभी पुलिस इकाइयों में सफलता से संचालित भी हो रहा है।

गबन के गंभीर मामले सामने आए...

सभी पुलिस कप्तान और सेनानी को जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रदेश की कई पुलिस इकाइयों के पेट्रोल पंपों में गबन की गंभीर घटनाएं सामने आई है। इसका फोरेंसिक ऑडिट कराए जाने के बाद पता चला है कि गबन का मुख्य कारण इन पुलिस यूनिटस द्वारा नगद लेन-देन करना और लेखा-जोखा का संधारण नहीं करना है।

यहां बंद किया जाएगा नगद लेन-देन...

✻ पुलिस कल्याण पेट्रोल पंप ✻ पुलिस गेस रिफिलिंग केंद्र ✻ एलपीजी गेस ✻ सुपर बाजार ✻ पुलिस परिसरों की साफ सफाई व्यवस्था ✻ अन्य गतिविधियां जिनका वार्षिक टर्नओवर 6 लाख से अधिक है।

जीतू पटवारी ने कुएं में पड़ी कुल्हाड़ी पर कांग्रेस संगठन को दे मारा...

मंदसौर/उज्जैन, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस संगठन की कमान संभालते ही कांग्रेस का बेड़ा गर्क करना शुरू कर दिया था। 300 दिन से अधिक समय गुजारने के बाद जिन पदनामों की घोषणा की है वह राजनीतिक जगत में अजूबे की तरह निहारे जा रहे हैं। जब जीतू पटवारी को कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया था, तब यही राजनीतिक जगत की अजीब घटना थी कि कुएं में पड़ी कुल्हाड़ी पर कांग्रेस हाईकमान ने अपना पेर दे मारा था। फिर 300 दिन बाद पुनरावृत्ति हुई कि जीतू पटवारी ने कुएं में पड़ी कुल्हाड़ी ढूंढ कर उस पर प्रदेश संगठन का पांव दे मारा। नतीजा यह आ रहा है कि चारों तरफ से अनुभवी जमे जमाए नेताओं ने विरोध शुरू कर दिया है।

चन्द्रमोहन भगत

जीतू पटवारी के कूल्हाड़िया वार से 71 महासचिव 17 उपाध्यक्ष 16 विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं। इनमें से वे नेता खुद और उनके समर्थकों की भरमार है, जिनके कारण पूर्व कमलनाथ सरकार गिरी थी और बीता विधानसभा चुनाव भी शान से कांग्रेस हारी थी। करारी हार के बाद भी कांग्रेस ने अपने संगठन चलाने के पुराने ढर्रे में कोई बदलाव नहीं किया था। अपने जिले के सभी 9 सीटों से कांग्रेस को हार का तोहफा देने वाले जीतू पटवारी प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए थे। जिसे खुद जन आधार कमाने की तमीज ना हो वह कैसे जन आधार समेटने वालों को पहचान सकता है। इसीलिए जो सैकड़ा भर पदाधिकारी बनाए गए हैं, यह कांग्रेस का जन आधार बड़ा पाएंगे ऐसी कल्पना करना भी बेकार सी बात कहलाएगी!

अभी रेवांचल के अजय सिंह ने अपना खुला विरोध दर्ज कराया है। मंदसौर के पूर्व जिला अध्यक्ष नवकृष्ण पाटिल भी अपनी नाराजी जाहिर कर चुके हैं। इंदौर के पूर्व शहर अध्यक्ष प्रमोद टंडन ने भी अपना विरोध सार्वजनिक दर्ज कर दिया है। दरअसल कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व विवेकहीन अंधत्व का शिकार हो चुका है। संगठन महामंत्री से लेकर प्रदेश प्रभारी ने जीतू पटवारी के चयन में किसी भी सांगठनिक पैमाने का उपयोग करने की बजाय विपक्षियों का एहसान उतारने जैसा काम कर डाला था। ताकि कांग्रेस भविष्य में भी मजबूत जन आधार न पा सके। ऐसा ही हो भी रहा है और अब तो आपस में बयान युद्ध भी शुरू हो ही गया है जो कांग्रेस की बची खुची जनसाख को भी खारिज करवा देंगे।

आम राजनीति में रुचि रखने वालों को भी पटवारी की टीम में 75 पार वाले नेताओं के नाम देखकर यही लग रहा है कि जनमत भले ही कांग्रेस की रीति-नीति पसंद कर रहा हो पर जिन के हाथों में कांग्रेस की कमान है वह नहीं चाहते हैं कि कांग्रेस संगठन ऊर्जावान जनप्रिय नेताओं की टीम बन सके। इसी आधार पर पदाधिकारी का चयन किया गया है। स्वाभाविक है कि कांग्रेस संगठन का अंतर विरोध सतह पर आएगा, आपस में दरारें बढ़ेगी और फिर जब भी कोई चुनाव आएगा तब की हार का अभी से अंदाजा लगाया जा सकता है। जैसे पहले ही मध्य प्रदेश में जीतू पटवारी तो हरियाणा में शैलजा कहीं तो राजस्थान में अशोक गहलोत जैसे नेता लोग अभी से अपनी भूमिका निश्चित कर चुके हैं। सबसे बड़ी बात कांग्रेस संगठन की यह भी है कि सार्वजनिक तौर पर यह दर्शाया जाता है कि राहुल गांधी भी इन कूट रचनाओं से अनभिक्ष और आहत रहते हैं। ऐसा तो बिल्कुल भी नहीं है, बल्कि राहुल के नियुक्त पदाधिकारीयों द्वारा ही उनकी जानकारी में लाया जाकर ही देश के प्रत्येक राज्य से कांग्रेस को निपटाया जा रहा है। वरना आम आदमी राजनीतिक दृश्य देख समझ रहा है कि नतीजा कांग्रेस के खिलाफ आने वाला है। नतीजा कांग्रेस के खिलाफ आने वाला है, यह बात सिर्फ राहुल ही समझ नहीं पाते हैं। जैसे हरियाणा में नहीं समझ पाए थे और संभव है कि महाराष्ट्र में भी यही होने वाला है कि राहुल समझेंगे तब तक नतीजे हाथ से निकल जाएंगे!

विचार-मंथन

भारत-चीन सीमा पर शांति के संकेत...

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच सैन्य गतिरोध फिलहाल दूर हो गया लगता है। दोनों देशों के सैनिकों ने दिवाली पर मिठाइयों का आदान-प्रदान किया और भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख के डेमचोक इलाके में गश्त भी शुरू कर दी। जल्दी ही डेपसांग इलाके में भी भारतीय सैनिक गश्त करना शुरू कर देंगे। रूस में आयोजित इस बार के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने द्विपक्षीय बातचीत की थी। उसके दो दिन पहले एलएसी पर पूर्व स्थिति बनाने को लेकर सहमति बनी थी।

इससे फिर दोनों देशों के बीच रिश्तों में गर्मी लौटने की उम्मीद जताई जा रही है। जून 2020 में गलवान घाटी में चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र में घुस आए थे और हमारे सैनिकों के साथ उनका खूनी संघर्ष हुआ था, जिसमें दोनों तरफ के सैनिक हताहत हुए थे। तब से राजनीतिक गतिरोध बना हुआ था। हालांकि दोनों देशों के सैन्य अधिकारी इस विवाद को सुलझाने के लिए बैठकें करते रहे और उन बैठकों में सकारात्मक नतीजे भी निकले थे। उन्हीं बैठकों के चलते पांच में से तीन क्षेत्रों से चीन ने अपनी सेनाएं पीछे लौटा ली थीं। दो क्षेत्रों में विवाद बना हुआ था, जो अब समाप्त हो गया है। असल में चीन और भारत के बीच तनावपूर्ण रिश्तों का असर रूस और दक्षिण एशिया के अन्य देशों पर भी पड़ रहा था। जिस तरह रूस-यूक्रेन संघर्ष लगातार बना हुआ है, उसमें रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों के मद्देनजर भारत से उसके मजबूत रिश्ते बहुत अहमियत रखते हैं। चीन से भारत की तनातनी के चलते यह समीकरण ठीक से बैठ नहीं पा रहा था। इसलिए माना जा रहा है कि रूस के प्रयत्नों से ही भारत-चीन के रिश्तों में आई खटास दूर हुई है। मगर यह अच्छी बात है कि एलएसी पर बेवजह तनाव बने रहने से जो दोनों देशों का ध्यान उस तरफ लगा रहता था, उससे आजादी मिलती दिख रही है।अमेरिका इस तनाव का लाभ उठाने का प्रयास कर रहा था। जबसे चीन के साथ भारत के संबंध कुछ मधुर होने शुरू हुए हैं, अमेरिका की भौंहें कुछ तनी नजर आने लगी हैं। रूस के साथ भारत की नजदीकी से वह पहले से खफा है। अभी अमेरिका ने जिन उन्नीस भारतीय कंपनियों पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगाए हैं कि वे रूस को मदद पहुंचा रही थीं, उससे उसकी खीझ समझी जा सकती है।मगर भारत ने अपने रिश्तों में संतुलन बनाए रखा है। रूस के साथ अपने रिश्तों में किसी तरह की खटास नहीं आने दी है और अमेरिका से भी नजदीकी बनाए रखी है। इसलिए कि भारत अपने को किसी गुट में शामिल नहीं किया है। फिर, जिस तरह भारत की आर्थिक हैसियत लगातार बढ़ रही है, और वह वैश्विक दक्षिण देशों के लिए लगातार भरोसेमंद साझीदार बना हुआ है, उसमें कोई भी भारत को फिलहाल नजरअंदाज नहीं कर सकता। चीन का बहुत बड़ा व्यापार भारत के साथ है, वह उसे किसी भी रूप में गंवाना पसंद नहीं करेगा। माना जा रहा है कि सीमा विवाद संबंधी ताजा समझौते से इस समस्या का कोई स्थायी समाधान निकल सकता है। मगर संशय इसी बात को लेकर बना हुआ है कि चीन अपने इस लचीले रुख को कब तक कायम रख पाता है। जब तक वह अपनी विस्तारवादी नीतियों को सिकोड़ने का प्रयास नहीं करेगा, उसके किसी भी कदम को बहुत भरोसे के साथ देखना मुश्किल है।

...गारंटी की सियासत पर उठते सवालों का जवाब आखिर देगा कौन!

कमलेश पांडे

इस मामले में सत्ता पक्ष व विपक्ष की सांठगांठ के खिलाफ सिविल सोसाइटी, प्रशासन, न्यायपालिका और मीडिया को आगे आना चाहिए। क्योंकि ऐसी वायदाखिलाफी की सियासत पर उठते सवालों का जवाब आखिर कौन देगा, भुक्तभोगी लोग सबसे पूछ रहे हैं। कभी कांग्रेस के दफ्तरों पर पहुंचकर, तो कभी मीडियाकर्मियों के मिलने पर। कभी विभिन्न विचार गोष्ठियों में तो कभी सड़कों पर। इस मामले का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि अब खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पार्टी के नेताओं को सिर्फ वही चुनावी गारंटी देने के वायदे करने की नसीहत दी है, जिन्हें सत्ता में आने के बाद पूरा किया जा सके!

ऐसा इसलिए कि चुनावी गारंटी पूरे करने के मामले में तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की कांग्रेसी सरकारें फिसड्डी साबित हुई हैं। इससे कांग्रेस के जनाधार पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। समझा जाता है कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान की कांग्रेसी सरकारों के पतन के पीछे कुछ ऐसी ही वादाखिलाफी का हाथ है। यही वजह है कि भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ही बयान को आधार बनाकर अब कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

आपको पता होगा कि आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल की मुफ्त बिजली-पानी की सियासत और जनसहूलियत भरी शिक्षा-चिकित्सा व्यवस्था की राजनीति जब दिल्ली से लेकर पंजाब तक हावी होती चली गई तो अपनी सरकारें गंवाने के बाद राहुल गांधी-प्रियंका गांधी ने कांग्रेस की गारंटी के नाम पर लोगों से धड़ाधड़ वायदे किए और खटाखट धन देने की गारंटी दी, लेकिन उनकी राज्य सरकारें उसे पूरी नहीं कर सकीं।

इससे पार्टी की बढ़ती अलोकप्रियता और हरियाणा विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार को महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में डैमेज कंट्रोल के लिए ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी पार्टी के नेताओं को जो कुछ समीचीन सुझाव दिए, अब उसे ही भाजपा ने चुनावी हथियार बना लिए। क्योंकि लोगों को चुनावी लॉलीपॉप गारंटी देने की विरोधी रही भाजपा ने भले ही आप और कांग्रेस के दबाव में अपनी सत्ता प्राप्ति के लिए मोदी की गारंटी शुरू की और विभिन्न कांग्रेसी व विपक्षी दल शासित राज्यों में शानदार वापसी की, लेकिन अब वह मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान को लेकर जिस तरह से कांग्रेस पर हमलावर है, उसका फलसफा यही है कि अनुकूल मौका मिलते ही भाजपा मोदी की गारंटी वापस ले लेगी। बशर्ते कि पहले वह इसी के सहारे कांग्रेस व आप का सफाया कर ले।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में आर्थिक संकट की खबरों के बीच नेताओं को वही वादे करने की नसीहत दी है, जिन्हें पूरा किया जा सके। उन्होंने साफ कहा कि उतनी ही गारंटी का वादा करें, जितना दे सकें, नहीं तो सरकार दिवालियापन की कगार पर पहुंच जाएगी। यही वजह है कि कांग्रेस अध्यक्ष के इस बयान पर अब सियासी घमासान मच गया है। केंद्र की सत्ता पर काबिज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने खड़गे के बयान को ही आधार बनाकर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बाजाप्ता प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे ने कई चीजों को स्वीकार कर लिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जो बोला है, वो राहुल गांधी को बताया है क्या? कई चुनाव से खट-खटाखट चल रही घोषणाओं का क्या होगा? जो बोला है, बजट में उसका प्रावधान है कि नहीं? उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि वहां कांग्रेस ने कई वादे किए थे कि ये कर देंगे, वो कर देंगे, पर अब वहां के सीएम कह रहे हैं कि वेतन बाद में ले लेना। वहीं, टॉयलेट पर टैक्स की चर्चा करते हुए कांग्रेस पर घोषणाएं करके जनता को मूर्ख बनाने और किसी योजना को अमल में नहीं लाने का आरोप लगाया।

भाजपा ने कहा कि कर्नाटक में पांच गारंटी की घोषणा की गई थी लेकिन हुआ क्या? हो क्या रहा है वहां? कर्नाटक में अब फ्री बस को रिव्यू करने की बात कही जा रही है! हालांकि भाजपा पर भी कांग्रेस आरोप लगाती आई है कि मोदी ने 2014 में 15 लाख रुपये खाते में आने के सपने दिखाए थे, जो लगभग 11 साल बाद भी नहीं आए। दो करोड़ नौकरियों का वायदा भी सिफर ही रहा। कोरोना के बाद उन्होंने युवाओं को पकौड़े बेचने लायक भी नहीं छोड़ा।जबकि भाजपा का दावा है कि अगर हमने 11 करोड़ किसानों को 6-6 हजार रुपये देने का वादा दिया था तो उसे पूरा किया हमने। बीजेपी जो कहती है, उसे जमीन पर उतारती भी है।

भाजपा नेता कहते हैं कि हम जमीनी हालात देखकर वादे करते हैं और जो वादे करते हैं, उसे डिलीवर भी करते हैं। जबकि खड़गे साहब को जो ज्ञान आया है वह और जल्दी आना चाहिए था। आप राहुल गांधी को वो पाठ पढ़ाएं। भाजपा ने कहा कि झारखंड में जनता की आंखों में धूल झोंकने की बात कही जा रही है। जबकि कांग्रेस पार्टी ने अपने अध्यक्ष के माध्यम से पहली बार हकीकत स्वीकार किया है। लिहाजा मल्लिकार्जुन खड़गे को इस वक्तव्य के बाद देश से माफी मांगनी चाहिए। क्योंकि कांग्रेस ने तेलंगाना और कर्नाटक की जनता की आंखों में धूल झोंका। कांग्रेस की सच्चाई सामने आई है।

वहीं, भाजपा ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को भी निशाने पर लिया और कहा कि अरविंद केजरीवाल को समझना चाहिए कि दिल्ली की हालत क्या है? वहीं, रविशंकर प्रसाद ने वक्फ के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी और कर्नाटक के विजयपुरा का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वक्फ के नाम पर किसानों की संपत्ति लूटी जा रही है। कुछ माफिया इसमें शामिल थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये मामला संसदीय कमेटी के सामने है। बात सिर्फ कांग्रेस, आप और भाजपा की नहीं है, बल्कि उत्तर से दक्षिण तक, पूरब से पश्चिम तक एनडीए गठबंधन, इंडिया गठबंधन और अन्य क्षेत्रीय दलों के द्वारा चुनावी वायदाखिलाफी की जा रही है, जिसके खिलाफ सभ्य समाज को आगे आना चाहिए।

ऐसे में सीधा सवाल यही है कि जब राजनीतिक दल खुद से अपने लिए नियम-कानून बनाएंगे और स्वयं को बचाते रहने के लिए विभिन्न कानूनी कमियां छोड़ते रहेंगे, तो फिर उनके खिलाफ कार्रवाई कैसे होगी? इस गम्भीर मुद्दे पर प्रशासनिक और न्यायिक गूंगेपन पर भी सवाल उठना लाजिमी है। लेकिन ऐसा कभी हुआ क्या, यक्ष प्रश्न है।

क्या डिजिटल युग में सिर्फ जानकारी तक सिमट रहा है सीखना?

अनिता सहरावत

सीखना अगर एक कला है, तो बेशक सिखाना भी एक हुनर है। गुरु-शिष्य परंपरा के बीज भी कभी सीखने-सिखाने की इस कला ने ही बोए होंगे। चाणक्य के बिना चंद्रगुप्त कहां होता। रामकृष्ण परमहंस के बिना स्वामी विवेकानंद खुद को कभी खोज ही न पाते। सिद्धार्थ के जीवन की वे चार घटनाएं थीं, जिन्होंने उन्हें झकझोर कर गौतम बुद्ध बना दिया। यानी गुरु हमेशा कोई साक्षात व्यक्ति ही हो, ये जरूरी नहीं। बल्कि वे अनुभव और घटनाएं भी गुरु हैं, जिनसे टकराकर हम खुद की पहचान ढूंढने में लग जाएं। कई बार सिखाने वाले को खुद भी नहीं पता होता कि उसने जाने-अनजाने किसी को सीख का बीजमंत्र दे दिया है। एकलव्य की प्रेरणा ने माटी की निर्जीव मूरत में अपने संकल्प की प्राण प्रतिष्ठा की होगी कि उसने द्रोणाचार्य के बुत से धनुर्विद्या सीख ली।

गुरुओं के देवता बृहस्पति कहे जाते हैं और दानवों के गुरु शुक्राचार्य हैं। ये दोनों गुरु अपने आप में प्रतीकात्मक हैं। सीखने वाले की प्रवृत्ति और प्रकृति, इन दोनों की दिशा इस बात से तय होती है कि सिखाने वाले की प्रवृत्ति कैसी है। गुरु और शुक्र, दोनों में ज्ञान की कमी नहीं। लेकिन भाव, ज्ञान की दिशा पलटने का दम रखता है। कहते हैं, रावण-सा ज्ञानी दूसरा पैदा नहीं हुआ। उसमें न ज्ञान की कमी थी और न ही बल की, लेकिन उसका दिशाहीन बल और उसकी बुद्धि ही उसे ले डूबी। सीखने की ललक के बिना गुरु के ज्ञान का भी कोई मोल नहीं। ये एक सिक्के के दो पहलू हैं। जो जैसा सीख सीखना चाहता है, वैसा ही गुरु भी खोज लेता है। हमारे यहां गुरु-शिष्य का संबंध केवल शिक्षा के दायरे में नहीं बंधा है। उस्ताद चोरों के भी होते हैं, जिनसे वे चोरी और ठगी के पैंतरे सीखते हैं। ट्रक पर काम करने वाले, चाय-ठेले और दूसरी दुकानों पर काम करने वाले छोटू और रामू चेले के भी उस्ताद होते हैं। यानी जीवन के हर पहलू में गुरु-चेले की जुगलबंदी जरूर मिलती है, लेकिन इन सबमें शिक्षा के क्षेत्र में गुरु-शिष्य का संबंध सबसे ऊपर और पहले है।

सीखने-सिखाने का यह संबंध अब दोतरफा नहीं रहा, तकनीकी दखल ने यहां दस्तक दे दी है। गूगल, यू-ट्यूब पर सहजता से जानकारी ढूंढते-ढूंढते अब हम चैट-जीपीटी और कृत्रिम बुद्धिमता के गलियारों में खोने लगे हैं। कोविड महामारी ने लोगों को वैकल्पिक होकर जीना सिखा दिया। शिक्षा और स्कूल की कड़ी जोड़े रखने की कोशिश ने आनलाइन पढ़ाई का जो रास्ता दिखाया, उसने सीखने का चेहरा बदल दिया। गुरु-शिष्य के संबंध में यह सुलभता अनदेखी दूरी ला रही है। अब शिक्षक सिखाने की ज्यादा सरदर्दी नहीं लेते। वे भी आनलाइन मंचों के लिंक साझा कर देते हैं। बच्चों को भी अब यह ज्यादा भाने लगा है। अब सिखानेवाले हुनरमंदों की जरूरत खत्म होने लगी है। तकनीकी दखल ने सीखने-जानने के जो अनेक तरीके सिखाए हैं, उनमें से एक है सहजता की सीख। यानी जब चीजें आसानी से की और सीखी जा सकती हैं, तो उन्हें मुश्किल तरीकों से हल करने की जरूरत क्या है। हालांकि देर-सवेर हमें यह समझ में आएगा कि चीजें आसानी से जानने और करने की सहूलियत सीखन-सिखावन की कड़ी को कमजोर कर रही है। हम सीखने को लगातार आसान बनाने की कवायद में लगे हैं। हमारी शिक्षा व्यवस्था की सबसे मजबूत कड़ी गुरु-शिष्य परंपरा है, जिसकी साख अनुशासन और सम्मान पर टिकी है। सहजता जैसी कोई चीज नहीं होती। आलस्य को अनुशासन से साधकर ही सहजता के पायदान पर चढ़ा जा सकता है। पर आज यह तस्वीर भी बदल रही है। तकनीक ने जो सुलभता हमें मुहैया कराई है, वह हमारी मानसिकता पर इस कदर हावी है कि हम सब कुछ आसानी से हासिल कर लेना चाहते हैं। फिर वह रोजमर्रा का कोई काम या जरूरत हो या पढ़ाई-लिखाई ही क्यों न हो।

किताबों की जगह ई-किताबें, पीडीएफ, अध्यापक, गुरुओं की जगह कोचिंग संस्थान, आनलाइन यूट्यूब वीडियो और ट्यूटर सहजता से मिल रहे हैं। ई-पेपर और ई-पत्रिकाओं के जमाने में किताबें आनलाइन हो रही हैं तो हैरानी की बात नहीं। इस सच को हम अक्सर आंकड़ों की गिनती से झुठलाने की कोशिश करते हैं। बच्चों के हाथ से कापी-कलम छूट रहे हैं। कापियों के बजाय बच्चे लैपटाप, कंप्यूटर पर ही व्यस्त हैं। अभिभावक बड़े अभिभूत हो रहे हैं कि हमारे बच्चे पश्चिमी देशों के बच्चों और उनकी जीवनशैली से जरा भी कम नहीं।

सवाल यह उठता है कि चीजें आसानी से करने और सीखने की जरूरत क्यों हैं? पहले चीजें आसान करके सिखाने के बजाय, न सीखने के जोखिम और परिणाम पर गुरु और अभिभावक बराबर जोर देते थे। जब हम शुरू से जोखिम और चुनौतियों का सामना करते हैं तो यह हमें मानसिक तौर पर मजबूत बनाता है। आज युवा प्रतियोगिता और जोखिम से निपटने के आसान रास्ते पहले खोजता है।

धुएं में घुटती हवा, क्या ताजी सांसों से समझौता कर रहे हैं हम?

पिछले कुछ वर्षों से हवा में बढ़ते जहरीले रसायनों के चलते सांस की तकलीफ से लेकर सेहत संबंधी बहुस्तरीय समस्याएं न केवल हमारे देश, बल्कि दुनिया भर में चिंता का कारण बनी हुई हैं। आए दिन वायु गुणवत्ता में लगातार गिरावट और उसके बुरी तरह प्रदूषित होते जाने के मसले पर पर्यावरणविद् चेतावनी देते रहे हैं कि अगर समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वक्त में प्रदूषण से बिगड़ते हालात को संभालना असंभव हो जाएगा। मगर इस वर्ष एक बार फिर दीपावली के मौके पर इतने पटाखे जलाए गए कि देश के कई शहरों की वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में चली गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआइ 317 तक पहुंच गया। दिल्ली में पटाखों पर पाबंदी के बावजूद पूरे शहर में इसके बड़े पैमाने पर उल्लंघन के मामले सामने आए। हरियाणा और पंजाब के साथ-साथ देश के अन्य कई शहरों में भी इसी तरह

की स्थिति रही। सवाल है कि तमाम शहरों-महानगरों में वायु गुणवत्ता में चिंताजनक गिरावट, इसके 'बेहद खराब' श्रेणी में जाने और उसकी वजह से होने वाली परेशानियों की अनदेखी के दुष्परिणाम किसे झेलने होंगे! हालत यह है कि इस समस्या के लगातार गहराते जाने के बावजूद न तो सरकारों को इस पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत महसूस हो रही है, न प्रदूषण और इससे उपजने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का भुक्तभोगी होने के बावजूद आम लोगों को अपने आप पर थोड़ा नियंत्रण रखने की जरूरत जान पड़ती है। खासकर पर्व-त्योहारों के मौके पर लोगों को सरकारी अपीलों और नियम-कायदों का उल्लंघन करने में हिचक नहीं होती।

विडंबना है कि ऐसे समय में सरकार भी सब जानते-बूझते हुए कभी आस्था के नाम पर, तो कभी किसी अन्य बहाने से इस मामले में बरती जाने वाली व्यापक लापरवाही की अनदेखी कर देती है।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5406

	6				9		8	5
9	4				6			2
	8	1			4			3
6						1		8
				3				
2		8						9
3			1			8	4	
8			6				5	7
4	7		2				3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5405

5	7	1	6	9	3	2	4	8
9	3	6	2	8	4	1	7	5
8	4	2	5	1	7	6	3	9
7	8	9	3	2	5	4	6	1
2	6	5	1	4	9	7	8	3
3	1	4	7	6	8	5	9	2
1	5	3	9	7	6	8	2	4
4	9	7	8	5	2	3	1	6
6	2	8	4	3	1	9	5	7

वर्ग पहेली 5406

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1919 को बॉलीवुड की पुरानी फिल्मों के संगीतकार (निधन 6 जनवरी 1987) ने जन्म लिया था, सुप्रसिद्ध कृति गीत गोविंद के रचयिता (4)
4. मैथिलीशरण गुप्त की सुप्रसिद्ध कृति, अयोध्या नगरी को यह भी कहते है (3)
6. निर्गम, प्रयाण, निकास (3)
7. मूल तत्व, चर्चा, वार्तालाप (2)
8. दृढ़तापूर्वक कही गई बात, नालिश, मुकदमा, अभियोग (2)
9. जालिम, अत्याचारी, दरिंदा (3)
11. यह भारत का प्रथम सम्राट था जिसने मुगल साम्राज्य स्थापित किया (3)
13. चम्पागढ़ को यह भी कहते है (3)
14. संगीत में प्रथम स्वर सूचक शब्द (1)
16. जिसकी कोई सीमा न हो, अंतहीन, छोरहीन (3)
18. भारत के हरियाणा राज्य का एक नगर जो यमुना नदी के समीप स्थित है (4)
19. संकेत, जुलाही की छड़ या कूंची (2)
21. मंदगति से भ्रमण करना, मंद गमन करना, विचरना (4)
22. कसम, सौगंध, हलफ, सौंह (3)

ऊपर से नीचे

1. माता दुर्गा के नामों में से एक, शारदा (4)
2. दो की संख्या, [illegible] (2)
3. देवी, [illegible] (4)
4. यह अमिताभ बच्चन अभिनीत पहली फिल्म थी (6)
5. सौंदर्य से, उत्साहपूर्ण (3)
10. महाशय, श्रीमान, महोदय (2)
12. पुष्प विशेष, [illegible] (3)
15. भूत, प्रेत आदि के स्वामी होने के कारण भगवान शिव का एक नाम (4)
16. अत्यधिकता, असंख्य, आक्रमण (3)
17. एक डंडे के सिरे पर कपड़ा लपेटकर उसे जलाने से उत्पन्न रोशनी (3)
20. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5405 का हल

र	वि	सं	क	र	शु	क्ल	■
अ	ल	श	म	■	म	के	■
हा	ब	■	र	कल	र	■	ख
प	■	सू	■	मा	■	जं	ग
ट	ह	ल	■	य	■	जा	म
■	नु	■	र	नी	ज	अ	■
ल	मा	श	ई	■	इ	ल	म
न	न	द	■	पा	क	■	ते

आयुष्मान योजना का सभी बुजुर्गों को मिलेगा समुचित लाभ-मुख्यमंत्री

70 और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक भी होंगे लाभांवित, राज्य शासन ने जारी किये आदेश

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का विस्तार करते हुए 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष 5 लाख रूपये तक का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच दिया जाना सुनिश्चित किया है। इस संबंध में आदेश भी कर दिये गये है। इससे वरिष्ठ नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ मिलेगी। बुर्जुगों को आर्थिक चिंताओं से मुक्त करते हुए एक स्वस्थ और सम्मान पूर्ण जीवन जीने में सहायता मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठनागरिकों को आय के बंधन से मुक्त करते हुए स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने की मंजूरी दी है। 29 अक्टूबर 2024 को योजना का शुभारम्भ हो चुका है। योजना के लिये पात्रता का निर्धारण केवल आधार कार्ड में दर्ज आयु के आधार पर किया जाएगा। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड एवं समग्र फैमिली आईडी की आवश्यकता होगी। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को योजना में एक नया विशिष्ट कार्ड जारी किया जा रहा है। जो वरिष्ठ नागरिक 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के है और जिनके परिवार पहले से ही योजना के तहत कवर हैं, उन्हें अपने लिए अतिरिक्त 5 लाख रूपये तक की वार्षिक टॉप-अप कवरेज मिलेगी, जिसे वे अपने परिवार के अन्य सदस्यों (जो 70 वर्ष से कम आयु के हैं) के साथ साझा नहीं करेंगे। योजना में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के अन्य सभी वरिष्ठ नागरिकों को पारिवारिक आधार पर 5 लाख रूपये तक की वार्षिक कवरेज मिलेगा। जो वरिष्ठनागरिक 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के है और केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (CGHS), पूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ECHS), आयुष्मान सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (CAPF) जैसी अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का लाभ उठा रहे है, वे अपनी मौजूदा योजना या इस योजना में से किसी एक को चुन सकते हैं, योजना चयन करने का विकल्प एक बार ही दिया जाएगा। योजना में स्पष्ट किया गया है कि 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वे वरिष्ठ नागरिक जो निजी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं या कर्मचारी राज्य बीमा (ESI) योजना के अंतर्गत आते हैं, वे भी इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के पात्र होंगे।

आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया-योजनांन्तर्गत पात्र वरिष्ठ नागरिकों का पंजीकरण राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के पोर्टल https://beneficiary.nha.gov.in/ एवं आयुष्मान ऐप https://play.google.com/store/apps/details?id= com.beneficiaryapp के माध्यम से किया जायेगा। वरिष्ठ नागरिक स्वयं भी अपना पंजीकरण वेब पोर्टल https: //beneficiary.nha.gov.in/ अथवा आयुष्मान ऐप https://play.google.com/store/apps/details?id=com.beneficiaryapp के माध्यम से कर सकते हैं।

उपलब्ध संबंद्ध अस्पताल एवं प्रोसीजर-राज्य शासन ने सभी जिला कलेक्टर को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के प्राथमिकता से शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के लिये आवश्यक कार्यवाही एक सप्ताह में करने के निर्देश दिये है। वर्तमान में कुल 1.048 अस्पताल सम्बद्ध ही एवं कुल 1,952 प्रकार के प्रोसीजर विभिन्न विशेषताओं के अंतर्गत उपचार के लिए उपलब्ध है।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ अवसर पर श्रीमती पाटीदार ने कहा...

खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। 68वीं राज्यस्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर में हो रहा है प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर रहे। प्रतियोगिता का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात राज्य स्तरीय खेल ध्वज के ध्वजारोहण से हुआ। इसके पश्चात पूरे प्रदेश के संभागों तथा जनजाति विभाग से आए खिलाड़ियों द्वारा सेंट थॉमस विद्यालय के बैंड पर मार्च फास्ट किया गया। अतिथियों का स्वागत जिला शिक्षा अधिकारी लोकेंद्र डाभी, उत्कृष्टप्राचार्य विनीता प्रधान जिला क्रिडा अधिकारी बंसीलाल बारीवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय की छात्राओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। 68वीं शालेय प्रतियोगिता का स्वागत उद्बोधन लोकेंद्र डाभी द्वारा तथा परिचय विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती विनीता प्रधान द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं प्रतिवेदन जिला क्रीड़ा अधिकारी बंशीलाल बारीवाल द्वारा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में नो संभाग के 14 वर्ष के हॉकी बालिका वर्ग की 162 खिलाड़ी एव बेसबाल के 14 वर्ष के बालक बालिका वर्ग के 324 खिलाड़ियों द्वारा सहभागिता की जा रही है। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने हेतु 20 समितियां का गठन किया गया है. इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गुर्जर द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर कहा गया कि हम सभी को सदैव खेलकूद में भाग लेना चाहिए, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार द्वारा कहा गया कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और खेलने से हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है. उपस्थित खिलाड़ियों को खेल भावना एवं नियमों का पालन की शपथ बेसबॉल की राष्ट्रीय चैंपियन कुमारी वंशिका धाकड द्वारा दिलाई गई। अतिथियों को स्मृति चिन्ह के रूप में भगवान पशुपतिनाथ की रजत वर्ण प्रतिमा भेंट की गई। इस अवसर पर विभिन्न समिति सदस्य जिले के प्राचार्य शिक्षक एवं शिक्षिका, विभिन्न विद्यालयों के खेल प्रशिक्षक तथा खेल अधिकारी एवं खिलाडी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कीर्ति सक्सेना एवं आशीष बंसल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आभार जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी विजेंद्र देवड़ा द्वारा किया गया।

तीन दिवसीय दिवाली विद माय भारत कार्यक्रम का समापन

सेवा से सीखो कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने किया यातायात पुलिस का सहयोग

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) इकाई, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के स्वयंसेवकों ने 'दीवाली विद माय भारत कार्यक्रम के तहत शहर में यातायात पुलिस का सहयोग कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की इस पहल के अन्तर्गत तीन दिवसीय कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। जिसमें स्वयंसेवकों ने मंदसौर के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में ट्रैफिक व्यवस्था में सहायता प्रदान की। मंदसौर यातायात पुलिस के सहयोग से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'माय भारत' पोर्टल की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवा से सीखे कार्यक्रम के तहत शहर के प्रमुख स्थानों घंटा घर, भारत माता चौराहा, जनकुपुरा, शुक्ला चौक, बड़े बालाजी चौक आदि में यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में स्वयंसेवकों ने यातायात पुलिस का पूरा सहयोग किया। ट्रैफिक प्रभारी ने स्वयंसेवकों को पांच टीमों में बांटा, जो अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रही थीं। मंदसौर की व्यस्ततम सड़कों पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में किए गए उनके योगदान के लिए उन्हें नागरिकों द्वारा भी प्रशंसा मिली।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के इस कार्यक्रम ने समाज सेवा और अनुशासन की भावना को प्रोत्साहित किया और स्वयंसेवकों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें प्रेरित किया। इस मौके पर स्वयंसेवक विनय शर्मा, निशा जैन, रविराज शर्मा, प्रखर दूबे, जयाप्रकाशिका, युक्ता बोराना, हिमांशु पांडे, देवांश मालवीय, खुशबू परिहार, जितेंद्र परमार, सुमित नेक्स आदि स्वयंसेवकों ने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को सुगम बनाने में अपना अमूल्य योगदान दिया। इससे पूर्व दीवाली विद माय भारत के प्रथम दिवस रासेयो इकाई ने स्वच्छता अभियान में श्रीकोल्ड चौराहे पर स्वच्छता अभियान चलाया वहीं दूसरे दिन सेवा से सीखों कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय मंदसौर में जाकर रोगियों की सेवा कर उन्हें फल भेंट किए।

पिता-पुत्री को पीटा, 5 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मोटर चलाकर खेत में पानी छोड दिया। मना किया तो पिता-पुत्री से मारपीट की। पुलिस ने पांच आरोपियों पर केस दर्ज किया। पिपलिया कराडिया निवासी बाबूलाल बागरी ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि शिवलाल पिता श्यामलाल बागरी ने मेरे खेत में पानी छोड दिया, जिससे खेत गीला हो गया, मुझे हांकने-जोतने का कार्य करना था। मैंने शिवलाल से बोला तो शिवलाल के साथ ही श्यामलाल, श्रवणलाल, यशोदाबाई व बाबूलाल बागरी ने मिलकर गाली-गलौज कर मारपीट की। बीच-बचाव करने आई मेरी बेटी हीना के कुल्हाडी की मार दी, जिससे खून निकलने लगा। पुलिस ने पांचों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

जिला सेन समाज का प्रतिभा सम्मान एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन कल

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। समाज की प्रतिभा समाज का गौरव होती है एवं समाजिक एकता से ही समाज की उन्नति संभव है। इसी पवित्र उद्देश्य को लेकर जिला सेन समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह एवं दिपावली मिलन समारोह 5 नवंबर 2024 को प्रात: 11 बजे से कुशाभाउ ठाकरे ऑडिटोरियम में जनप्रतिनिधिगण, जिले की प्रतिभाए एवं समाजजनों की गरिमामयी उपस्थिती में हर्षोल्लास के साथ संपन्न होगी।सेन समाज संगठन के जिला अध्यक्ष जितेन्द्र गेहलोत, जिला सचिव अशोक मकवाना, जिला कोषाध्यक्ष राम कुमार चौहान, युवाध्यक्ष जिला युवा सेन संगठन संजय चौहान, ने बताया कि पुर्व निर्धारीत योजना के अनुसार कार्यक्रम का स्वरूप भव्य बनाने के लिये रूपरेखा बनाई जा रही है।

उक्त जानकारी देते हुए उन्होने बताया कि कार्यक्रम मे सत्र 2022-23, 2023-24 में कक्षा 10वी, 12वी, स्नातक स्नाकौत्तर बीएससी, एमएससी, बीटेक, एमटेक, एमबीबीएस, एम ई, बी ए एम एस, बी एच एम एस आदि समकक्ष परिक्षाओं मे 70 प्रतिशत अथवा 7 सीजीपीए से अधिक अंको से उत्तीर्ण, जेई नीट, अथवा अन्य किसी परिक्षा के माध्यम से चयनित होकर जिले के बाहर अध्ययनरत् मेघावी छात्र-छात्राओं को सम्मानीत किया जायेगा। साथ ही खेल चित्रकला, नृत्य आदी गतिविधियों से समाज में जिले का नाम रोशन करने वाले प्रतिभाओं का, सामाजिक क्षेत्र में सेवारत् समाज के चयनित सेवा भावी बंधुओं को एवं 1 जवनरी 2023 के पश्चात शासकीय सेवा निवृत हुए समाज के वरिष्ठजनों तथा जिले में समाज के मंदिरो की पुजन अर्चन करने वाले पुजारीयों का सम्मान किया जायेगा। साथ ही विवाह योग्य अविवाहित युवक युवतियों का बायोडाटा भी मंगवाया जा रहा है। जिससे उनकी जानकारी संकलित कर योग्य रिश्तो की जानकारी उन तक पहुचाई जा सकें। कार्यक्रम के पश्चात सभी का अन्नकुट प्रसादी का आयोजन रहेगा। मार्गदर्शक मंडल मांगीलाल सेन, रामनारायण चौहान, विष्णुसेन कछावा, गोपाल राठौड (सीतामऊ) गोवर्धन लाल सेन (खड़ावदा) संरक्षक मंडल-श्यामलाल बोराना, वल्लभ देवड़ा (सुवासरा), मोतीलाल चौहान (साठखेड़ा), लक्ष्मीनारायण चौहान (बोलियां) परामर्शदाता-रामेश्वर गेहलोद (सुठोद),विजय भाटिया (भानपुरा) नाथूलाल सोलंकी (जेतपुरा), भगवती प्रसाद गेहलोद (पिपलियामंडी) दिलीप सेन निडर (कैलाशपुर), सुभाष सिसोदिया (खड़ावदा), शम्भूसेन राठौड, महेश गेहलोद, राजेश सोलंकी (चंद्रपुरा), मनोहरलाल सोलंकी (सीतामऊ) संयोजक मंडल-बालचंद देवड़ा (सुवासरा) महेन्द्र परिहार (शामगढ़) राजेश राठौर (सीतामऊ) कैलाश सेन (सम्मतखेड़ी वाले) भानपुरा, मदन लाल सेन (दसोरिया) उपाध्यक्ष- श्यामलाल राठौर (मन्दसौर), मनीष परिहार (गांधी सागर), समरथ गेहलोद (सुठोद), प्रकाश सेन (ढाबला महेश) दिलीप गुजराती (गरोठ), उदय राम जी चौहान (गुड्डू भैया) शामगढ़, बालकृष्ण पंवार (सीतामऊ) देवीलाल सेन (नगरी)।

न्यायोत्सव विधिक सेवा जागरूकता सप्ताह का आयोजन आज से

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर द्वारा 9 नवंबर को विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य पर 4 से 9 नवंबर 2024 तक न्यायोत्सव: विधिक सेवा जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस बारे में जानकारी देते हुए सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्री सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि माननीय मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार इस सप्ताह का उद्देश्य लोगों में विधिक जागरूकता फैलाना है।

कार्यक्रम की शुरुआत 4 नवंबर को प्रात: 10 बजे शहर के विभिन्न मार्गों से होकर निकलने वाली बाइक रैली से होगी। जिसका शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री कपिल मेहता द्वारा किया जाएगा। इसके बाद 5 नवंबर को वात्सल्य धाम वृद्धश्रम में वृद्ध जनों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा। 6 नवंबर को विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों में निबंध, चित्रकला और वाद-विवाद जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। 7 नवंबर को अपना घर बालिका आश्रय गृह में जागरूकता शिविर का आयोजन होगा। वहीं 8 नवंबर को श्रमिक बस्तियों और ग्रामीण क्षेत्रों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। सप्ताह का समापन 9 नवंबर को जिला न्यायालय परिसर से मैराथन दौड़ के आयोजन के साथ होगा। सचिव श्री सिद्धार्थ तिवारी ने आमजन से अपील की है कि वे इन आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार-प्रसार में सहयोगी बनें।

मंदसौर ब्रांच द्वारा इमोशनल इंटेलिजेंस पर वेबीनार संपन्न

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सीए मंदसौर ब्रांच द्वारा प्रोफेशनल स्किल समिति आईसीएआई के तत्वाधान में वेबीनार का आयोजन किया गया। भावनात्मक बुद्धि पर आयोजित सेमिनार में 75 से अधिक सीए सदस्यों ने भाग लिया।

प्रारंभ में स्वागत उद्बोधन मंदसौर शाखा के अध्यक्ष सीए दिनेश जैन ने दिया। श्री दिनेश जैन ने कहा कि यह मंदसौर ब्रांच द्वारा आयोजित प्रथम वेबिनार है। आज इमोशनल इंटेलिजेंस की बहुत ज्यादा आवश्यकता है। बहुत से समाधान भावनात्मक बुद्धि या समझ से हम कर सकते हैं। स्पीकर सीए सोनल साबू ने बताया कि एआई के साथ ईआई का बहुत महत्व है। ई आई के जनक डेनियल गोलमैन के अनुसार पांच प्रमुख तत्व ईआई के हैं ! पहला अपने संवेगों की सही जानकारी रखना, दूसरा अपनी भावनाओं का आत्म प्रबंधन करना, तीसरा आशावादी तरीकेसे स्वयं को प्रेरित करना, चौथा दूसरों के संवेगों को पहचाना तथा पांचवा दूसरों के संवेगों का संचालन करना। अपने बताया कि ईआई के बेहतर प्रबंधन से रिश्तों को बेहतर बनाए रख सकते हैं। सकारात्मक सोच से हम हर कार्य कुशलता से कर सकते हैं। प्रारंभ में अतिथि परिचय सीए नयन जैन ने दिया। उपाध्यक्ष सीए राजेश मंडवारिया ने विभिन्न प्रश्नोत्तरी को संचालित किया। इस अवसर पर पीएसइसी कमेटी के सीए सम्बित निशा ने भी संबोधित किया। आभार सीए विकास भंडारी ने माना।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के लिए ऑनलाईन आवेदन करे

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला उप संचालक उद्यान द्वारा बताया गया कि उद्यमियों को व्यवसाय स्थापित करने के लिए PMFME योजनान्तर्गत लहसुन प्रसंस्करण उत्पाद जैसे गार्लिक पिलिंग, गार्लिक पेस्ट, पावडर, चिप्स, संतरा ज्यूस, हल्दी पावडर, मिर्च पावडर, आंवला अचार, मुरब्बा, अमरूद जैम, जैली तथा अन्य सभी प्रकार के प्रसंस्करण उत्पाद आईल मील, दाल मील, डेयरी उत्पादों से संबंधित इकाईयों का निर्माण करने हेतू वेबसाइड http://pmfme.mofpi.gov.in `m https://agriinfra.dac.gov.in/ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है तथा अखत्र(एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फण्ड) योजनान्तर्गत प्राइमरी इकाई निर्माण जैसे cleaning, shorting, grading, milling, grinding, storage, drying, packing, cold, storage, pack house इत्यादि पर 03 प्रतिशत ब्याज ऋण पर अनुदान शासन द्वारा दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए विकासखण्ड अधिकारी श्री सुरेन्द्रसिंह धाकड प्रभारी मन्दसौर मो. 9753545634, सुश्री अंकिता मुंदड़ा प्रभारी मल्हारगढ़ मो. 7049015931, श्री बनवारी वर्मा प्रभारी सीतामऊमो. 8817779538, श्री राजेश मईडा प्रभारी गरोठ मो. 8827688643, श्री भुपेन्द्र कटारे प्रभारी भानपुरा मो. 7067634432 पर संपर्क करें।

श्री कृष्ण गौशाला में गोवर्धन पूजा की एवं लापसी लिखाई

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 2 नवंबर 2024 को शासन के निर्देशानुसार गोवर्धन पूजा के उपलक्ष में ग्राम भालोट में श्रीकृष्ण गौशाला में गायों की पूजा की गई एवं पटाखे छोड़े गए एवं गायों को प्रसाद खिलाया गया एवं लापसी खिलाई। इस अवसर पर गांव के सरपंच नानालाल मेगरिया एवं ग्राम पंचायत सचिव गजेंद्र सिंह पवार, सहायक सचिव अब्दुल हकीम एवं पूर्व सरपंच श्यामलाल छाजढ गौशाला समिति के अध्यक्ष राजू ढोला, सचिव श्री गोपाल गुगवान एवं गौ सेवक, उपाध्यक्ष श्री हर्ष कोठारी, सहायक सचिव राकेश विश्वकर्मा कोषाध्यक्ष अम्बालाल धनगर, डॉ. शंभुसिंह कुशवाह, डॉ. गजेन्द्र फुकवाल, पं. नितिन शर्मा, लक्ष्मीनाराण साहू, राजाराम पटेल, भेरूसिंह एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

मतदाता शिक्षा और जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान को नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 मिलेगा

मीडिया संस्थान 10 दिसम्बर तक प्रस्ताव भेज सकेंगे, चार श्रेणियों में मिलेगा पुरस्कार

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मतदाता शिक्षा और जागरूकता के लिये सर्वोत्तम अभियान चलाने वाले मीडिया संस्थानों को भारत निर्वाचन आयोग नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 चार विभिन्न श्रेणियों में प्रदान करेगा। आयोग ने 10 दिसम्बर 2024 तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं।भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को यह पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जायेंगे।प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन) मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो) मीडिया और ऑनलाइन (इंटरनेट एवं सोशल मीडिया श्रेणियों में पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे। वर्ष 2024 में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिये मीडिया संस्थानों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न चार श्रेणियों में अपने प्रस्ताव भेजने होंगे। सभी नामांकनों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा गठित जूरी द्वारा विचार कर निर्णय लिये जायेंगे।नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 से संबंधित विस्तृत विवरण (मेमोरेण्डम) कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश की वेबसाइट www. ceo madhya pradesh. nic.in और जनसम्पर्क विभाग की वेबसाइट www. mpinfo.org पर उपलब्ध है। श्री राजेश कुमार सिंह, अवर सचिव (संचार), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली 110001 पर प्रस्ताव भेजे जा सकते हैं। संस्थान अपने प्रस्ताव मेमोरेण्डम में लिखी शर्तों का पालन करते हुए ई-मेल एड्रेस media-division @eci.gov.in पर भी भेज सकते हैं।

बांधवगढ़ में हाथी

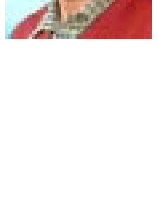

खो चुके 10 साथी
एक समूह के साथी
कैसे मर गए हाथी
एक ने लिया बदला
कर दिया हमला।
रात के पहर
किसने दिया जहर
हो रही जांच
मानव पर आंच।
मुआवजा क्या सिर्फ
मानव की ही थाती
बांधवगढ़ में हाथी
खो चुके 10 साथी।

नंदकिशोर राठौर, मंदसौर

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने धुंधड़का गौशाला में गोवर्धन पूजा की

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ग्राम धुंधडका में अखिलानंद ग्रामीण गौशाला परिसर में गोवर्धन पूजा में सम्मिलित हुए। इस दौरान सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, मन्दसौर विधायक श्री विपिन जैन, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बंसत शर्मा, श्री नानालाल अटोलिया, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित, कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, जिला अधिकारी, गोशाला कर्मचारी, ग्रामीण जन, पत्रकार उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने गोवर्धन पूजा के बाद उन्होंने गाय की पूजा की एवं गुड के लड्डू खिलाए। साथ ही उन्होंने गौशाला का अवलोकन कर वहां की व्यवस्थाएं भी देखी।

उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा द्वारा कहा कि मध्य प्रदेश सरकार आपके साथ हैं। इच्छा शक्ति के साथ कार्य करें। गोवर्धन पूजा के अवसर पर जिले में सभी जगह गौवर्धन पूजा की जा रही है। सभी अपने घर एक गाय जरूर पालो। जिस गाय को हम मा कहते है। उसका सम्मान करें। सभी गौशाला के लिए मदद करें। सरकार और जनता मिलकर यह कार्य करें। सासंद श्री गुप्ता ने कहा कि सभी अपने घर गाय जरूर पालो। गाय परिवार का सदस्य होती है। मन की भाषा को समझती है, गायों की बहुत अच्छेसे सेवा करें। राज्यसभा सांसद श्री गुर्जर ने कहा कि गाय की सेवा व सम्मान करें। गाय की पूजा करें। गाय की अच्छे से सेवा कर रहे है। गौ सेवक को धन्यवाद दिया। मन्दसौर विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि सभी गाय की सेवा करें। गौशाला में काम करने वालों के द्वारा बेहतर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान गौ सेवा में सराहनीय कार्य करने वालों एवं दानदाताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा द्वारा गौरक्षार्थ संकल्प की शपथदिलाई गई। रक्षा संकल्प मैं अपने प्रत्येक घर/खेत/फैक्ट्रियों/फार्म हाउस आदि में गाय रखूंगा यदि रखने की संभावना नहीं होगी तो किसी गौशाला में गौवंश को गोद लेकर उसके रख-रखाव में सहयोग करूंगा।प्रतिदिन गोग्रास/रोटी अथवा 10/-? श्रद्धा अनुसार निकालूंगा, उसे गौशाला में दूंगा। अधिक मूल्य देकर भी देशी गाय के दूध, दही, घी का प्रयोग करूंगा।अपने परिजनों व बच्चों के जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ एवं सभी मांगलिक कार्य या पुण्यतिथि व श्राद्ध आदि अवसरों पर गौसेवा राशि निकाल कर, गौशाला में भेट स्वरुप दूंगा। भोजन अवशेष पॉलिथीन में डालकर नहीं फेंकूंगा तथा इस संबंध में अन्य लोगों को भी समझाईश दूंगा। कार्यक्रम के बाद अन्नकूट प्रसादी का वितरण किया गया।

लिपिकवर्गीय कर्मचारी लेखा प्रशिक्षण के लिए 20 तक करें आवेदन

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला कोषालय अधिकारी द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश शासन के नियमित लिपिकवर्गीय एवं नगर निगम, नगर परिषदों के लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए विभागीय लेखा प्रशिक्षण सत्र एक दिसम्बर 2024 से 15 फरवरी 2025(दस सप्ताह) तक लेखा प्रशिक्षण शाला उज्जैन में आयोजित किया जा रहा है। जिला कोषालय अधिकारी नेहा कलचुरी ने सभी जिला अधिकारियों को उनके अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थ अप्रशिक्षित लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में संबंधित कार्यालय प्रमुख के कवरिंग लेटर के साथ सीधे प्राचार्य, लेखा प्रशिक्षण शाला, उज्जैन, रघुवंशम भवन इस्कॉन मंदिर के पास भरतपुरी, उज्जैन(म.प्र.) को प्रेषित करने के निर्देश दिए है।

प्रशिक्षण के लिए पात्रता-लिपिकवर्गीय कर्मचारी की नियमित सेवा अवधि एक वर्ष पूर्ण होना अनिवार्य है। सेवा शर्त के अनुक्रम में म.प्र.शासन शीघ्रलेखन तथा मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से हिंदी मुद्रलेखन, परीक्षा, एम.पी.एस.ई.डी.सी.से सी.पी.सी.टी.परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यदि विभागीय भर्ती नियमों में हिंदी मुद्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट प्रदान की गई हो, तो तत्संबंधी कार्यालय प्रमुख का प्रमाण पत्र संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश शासन के नियमित लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण शुल्क देय नहीं है, जबकि अर्द्धशासकीय, निगम एवं मण्डल कार्यालयों में पदस्थ नियमित पात्र कर्मचारियों को प्रशिक्षण हेतु नामांकित होने पर राशि रूपये 2000/- प्रशिक्षण शुल्क लेखाशीर्ष 0070-60-800-0000 अन्य प्राप्तियाँ में जमा करना अनिवार्य होगा। आवेदन पत्र 20 नवम्बर 2024 को शाम 5 बजे तक प्राप्त हो जाना चाहिए। प्रस्तावित प्रशिक्षण सत्र में क्षमता से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर शासकीय विभाग के लिपीकीय सेवकों को प्राथमिकता दी जाएगी। तत्पश्चात निगम, मण्डल के कर्मचारियों को आवेदन पत्र प्राप्ति की वरियता अनुसार (प्रथम आओं प्रथम पाओं के सिद्धांत पर) आवेदन स्वीकार किये जावेंगे एवं शेष आवेदकों को आमागी सत्र में प्राथमिकता दी जावेगी। लेखा प्रशिक्षण शाला में प्रवेश एवं परीक्षा तथा अग्रिम वेतनवृद्धि के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी नियम, निर्देश मान्य होंगे।

मप्र में स्वास्थ्य सेवाओं की दयनीय स्थिति और सरकार की नई नीति

सभी सिविल अस्पतालों और सीएचसी को आउटसोर्स करने की तैयारी

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पिछले कुछ वर्षों में गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। राज्य के अधिकांश सरकारी अस्पताल चिकित्सकों और अन्य कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रहे हैं, जिससे प्रदेश की जनता को बीमारी की हालत में निजी अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है। सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की इस स्थिति को सुधारने में सरकार पूरी तरह से नाकाम रही है। इस असफलता से निपटने के लिए, राज्य सरकार ने अब प्रदेश के सिविल अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) को आउटसोर्स करने की योजना बनाई है। इस पहल का उद्देश्य अस्पतालों में कर्मचारियों और डॉक्टरों की कमी को दूर करना है, ताकि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

सरकारी अस्पतालों की दयनीय स्थिति–प्रदेश के 161 सिविल अस्पताल और 348 सीएचसी लंबे समय से चिकित्सकीय विशेषज्ञों और कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 3615 पदों के विरुद्ध केवल 674 विशेषज्ञ उपलब्ध हैं। विशेषज्ञों के 100% पद पदोन्नति के माध्यम से भरे जाने का प्रावधान है, परंतु मई 2016 से उच्चतम न्यायालय में प्रचलित एक प्रकरण के कारण पदोन्नति प्रक्रिया लंबित है, जिससे पदों को भरने में कठिनाई हो रही है। राज्य सरकार ने विधानसभा में स्वयं इस संकट को स्वीकार किया है, जिससे यह स्पष्टहोता है कि स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार की दिशा में प्रयास अधूरे और सीमित रहे हैं।

नेमीचंद राठौर

आउटसोर्सिंग एक समाधान या अस्थायी उपाय?–सरकार की नई योजना के तहत अब सभी सिविल अस्पतालों और सीएचसी को आउटसोर्स करने की तैयारी की जा रही है। इस योजना में चिकित्सकों और अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति आउटसोर्सिंग कंपनियों द्वारा की जाएगी, जबकि अस्पतालों का प्रबंधन भी यह कंपनियां ही संभालेंगी। हालांकि, इन अस्पतालों पर प्रशासन का नियंत्रण विकास खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) के अधीन रहेगा। सरकार का कहना है कि शुल्क और सुविधाओं का निर्धारण उनके ही अधीन रहेगा, जिससे लागत को नियंत्रण में रखा जा सके। इस व्यवस्था से यह आशा की जा रही है कि आउटसोर्सिंग से अस्पतालों में चिकित्सकीय कर्मियों की कमी पूरी होगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। लेकिन आलोचकों का मानना है कि आउटसोर्सिंग से निजी कंपनियों का हस्तक्षेप बढ़ेगा, जो मरीजों के लिए नकारात्मक परिणाम ला सकता है। यह भी सवाल उठता है कि क्या निजी कंपनियां सस्ती और सुलभ चिकित्सा सेवा प्रदान कर पाएंगी, या उनका प्राथमिक उद्देश्य लाभ कमाना ही होगा।

पदों की भर्ती और चिकित्सा शिक्षा का संकट–मध्य प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की समस्या का एक और कारण चिकित्सकीय पदों पर भर्ती की कठिनाई भी है। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने हाल ही में 54 चिकित्सकीय संस्थानों में पदों की भर्ती के मुद्दे पर चर्चा की। राज्य के मेडिकल कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक के पदों पर भर्ती की अधिकतम आयु सीमा को 40 से 50 वर्ष करने पर भी विचार किया गया है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की कमी और बजट के अभाव ने भर्ती प्रक्रिया को और भी जटिल बना दिया है। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में पैरामेडिकल काउंसिल का अधिनियम भी अटका हुआ है। अप्रैल 2023 में राज्य सरकार ने अपनी काउंसिल को भंग कर दिया था क्योंकि भारत सरकार भी एक केंद्रीय काउंसिल का गठन करने की तैयारी में थी। लेकिन केंद्र की काउंसिल का गठन अभी तक नहीं हुआ है, जिसके कारण नए पैरामेडिकल कॉलेज नहीं खुल पा रहे हैं और पुराने कॉलेजों का पंजीयन अटका हुआ है। सत्र 2023-24 के दौरान यह स्थिति बनी रही, और अब यदि काउंसिल का गठन नहीं होता, तो सत्र 2024-25 के मान्यता देने के मामलों में भी बाधा आ सकती है।

स्वास्थ्य सेवा में सुधार की चुनौती–मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की स्थिति सुधारने के लिए सरकार के प्रयास अनेक हैं, परंतु उनकी सफलता संदिग्ध है। आउटसोर्सिंग योजना, पदों पर भर्ती और चिकित्सा शिक्षा में सुधार की प्रक्रिया में कई अड़चनें हैं। यह स्पष्टहै कि राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को बहाल करने के लिए केवल सरकारी योजनाओं और घोषणाओं से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस और क्रियान्वित कदमों की आवश्यकता है। अस्पतालों का प्रबंधन निजी कंपनियों को सौंपने से अल्पकालिक राहत मिल सकती है, परंतु स्वास्थ्य सेवाओं में स्थायी सुधार के लिए एक सशक्त नीति, समर्पित संसाधन और पारदर्शिता आवश्यक है। आगे चलकर सरकार को विशेषज्ञों और कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए अधिक सक्रियता से काम करना होगा। साथ ही, पैरामेडिकल काउंसिल के मुद्दे को हल करना और चिकित्सा शिक्षा में सुधार लाना महत्वपूर्ण है ताकि नए चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी न हो।

अब उज्जैन और बुरहानपुर में भी हो सकेगा अंग प्रत्यारोपण, अस्पतालों को मिली अनुमति

इंदौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में अब तक लोगों को अंग प्रत्यारोपण यानी ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए भोपाल, इंदौर जैसे बड़े शहरों की ओर रुख करना पड़ता था, लेकिन अब छोटे जिलों में भी यह सुविधा शुरू होने जा रही है। इन जिलों में अंगदान के बाद प्रत्यारोपण हो सकेगा।

उज्जैन और बुरहानपुर में जल्द ही किडनी प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू होने जा रही है। इसके लिए वहां के निजी अस्पतालों को स्टेट ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन (सोटो) ने अनुमति जारी कर दी है। इससे पहले रीवा और जबलपुर के अस्पतालों में भी प्रत्यारोपण शुरू हो चुका है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज में पिछले माह आयोजित प्रत्यारोपण समन्वयक प्रशिक्षण कार्यक्रम के कारण संभव हो पाया है। यहां प्रदेशभर के सभी जिलों के साथ ही छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात से भी प्रत्यारोपण समन्वयक प्रशिक्षण प्राप्त करने आए थे। इसमें नेशनल ऑर्गन एंड टिशू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन (नोटो) के डायरेक्टर डा. अनिल कुमार भी शामिल हुए थे।

बढ़ेगी अंगदान की प्रवृत्ति–अधिकारियों ने बताया कि छोटे जिलों में अंग प्रत्यारोपण की सुविधा होने से अंगदान को बढ़ावा मिलेगा। वहां जो भी ब्रेन डेड मरीज अस्पताल में होंगे, वहां की कोऑर्डिनेटर टीम उनके परिवार के लोगों से चर्चा करेगी। उन्हें अंगदान का महत्व समझाएगी, क्योंकि अब तक ऐसे मरीजों को अंगदान के लिए बड़े शहरों में भेजना पड़ता था।

नहीं बिकते हैं अंग–अधिकारियों ने बताया कि लोगों में अभी भी भ्रांतियां हैं कि अंगों को बेच दिया जाता होगा, लेकिन जागरूक होना होगा कि ऐसा नहीं होता है, क्योंकि सभी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज होता है। यहां जो सूची बनती है, उसी के हिसाब से अंगों को दिया जाता है। सूची में जिसका नाम ऊपर है और वह कहीं दूर है तो दूसरे नंबर वाले को अंग दिया जाता है। इसलिए लोगों को अंगदान के प्रति जागरूक होकर आगे आना चाहिए, ताकि बीमार व्यक्ति को नया जीवन मिल सके।

इन अंगों का हो सकता है दान–अगर आप चाहें तो जीवित रहते हुए यह सहमति दे सकते हैं कि मृत्यु के बाद मेरे इन अंगों का दान ले लिया जाए। दान किए जा सकने वाले अंगों में कार्निया, हृदय के वाल्व, हड्डी, त्वचा जैसे ऊतकों को प्राकृतिक मृत्यु के बाद दान किया जा सकता है। हृदय, यकृत, गुर्दे, फेफड़े और अग्नाशय जैसे अन्य महत्वपूर्ण अंगों को केवल ब्रेनडेड के मामले में ही दान किया जा सकता है।

रिफंड के लालच में भरे आयकर रिटर्न पड़ेंगे भारी, देशभर में होगी सख्ती

इंदौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। अच्छा रिफंड दिलवाने वाले से अपना आयकर रिटर्न भरवाना भारी पड़ सकता है। इस वर्ष का रिफंड तो अटकने के आसार हैं ही, बीते वर्षों के गलत रिफंड की भी वसूली हो सकती है। आयकर विभाग ने सूक्ष्म जांच और निगरानी शुरू की है। बड़े रिफंड वाले और ऐसे नौकरीपेशा जो किसी एक से सामूहिक रूप से रिटर्न दाखिल करवा रहे हैं, वे भी जांच के दायरे में हैं।

बीते वर्षों में जम्मू-कश्मीर और आंध्र प्रदेश में कई सरकारी विभागों के कर्मचारियों द्वारा फर्जी दान की रसीद, खर्च आदि अपने रिटर्न में दिखाकर रिफंड हासिल करने के मामले पकड़ में आए थे। इसके बाद देशभर में रिफंडों के मामले में सख्ती शुरू हुई। उज्जैन में भी ऐसे गलत रिफंड पकड़े गए। अब केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने विभाग को इस बारे में निर्देश दिए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से ऐसे रिटर्न और रिफंड को चिह्नित कर जांच की जा रही है। ऑनलाइन रिटर्न सिस्टम लागू होने के बाद से विभाग फटाफट रिफंड भी जारी करता रहा है। आयकर विभाग आमतौर पर कुछ सप्ताह में रिफंड जारी कर देता है। लेकिन तमाम बड़े रिफंड महीनों बाद भी अटके हैं।

ये हैं निगरानी में–सीए कीर्ति जोशी के अनुसार सीबीडीटी ने जो एसओपी विभाग के अधिकारियों के लिए जारी की है, उसमें निर्देश दिए गए हैं कि ऐसे करदाता जिनके रिटर्न बीते आठ वर्षों में कभी भी स्क्रूटनी में गए हों, उन पर टैक्स की मांग निकली हो। इनकी विशेष जांच की जाए। बड़ा रिफंड क्लेम करने वाले वेतनभोगी जिनके रिफंड का मैच उनके नियोक्ता द्वारा जारी फार्म-16 से मिलान नहीं हो रहा है। जिन्होंने रिटर्न में रिफंड रिवाइज किया है। 80 (जी), विकलांगता, मेडिक्लेम से लेकर हर तरह की छूट रिटर्न में हासिल करते हैं, वे भी दायरे में हैं।

अधिकार एवं कर्तव्य में सामंजस्य बिठाना होगा-डॉ. पुराणिक

मंदसौर, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आम जनता, राजनेता, प्रशासन, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी सभी अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक दिखाई देते हैं और वे समय समय पर अपनी मांगे भी सरकारों के समक्ष रखते हैं किंतु वहीं दूसरी ओर यह देखा गया है कि वे अपने कर्तव्यों के प्रति सजग दिखाई नहीं देते हैं। इसी कारण से हमारा देश जिस तेजी से विकास करना चाहिए वह नहीं कर पा रहा है। ठीक यही बात मन्दसौर नगर में स्वच्छता व जल संवर्धन को लेकर लागू होती है। यदि नगर पालिका प्रशासन व जनता मन्दसौर नगर के प्रति अपने अपने दायित्व को समझकर उसमें सामंजस्य स्थापित कर प्रयास किए जाएं तो निश्चित ही उत्कृष्टपरिणाम आएंगे और यही प्रयास 'अनुराग' संस्था पिछले दो वर्षों र्से प्रतिमाह मन्दसौर नगर के अलग अलग क्षेत्र में जागरूकता पदयात्रा के माध्यम से लगातार कर रही है। आशा है नगरपालिका प्रशासन इस गंभीर विषय को गंभीरता से लेगा। उक्त बात डॉ. देवेंद्र पुराणिक ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे। अनुराग जनजागरूकता पद यात्रा में राजाराम तंवर, रामचंद्र रैकवार, श्रीचंद भावनानी, अभिभाषक तेजपालसिंह, अनिल श्रोत्रिय, रमेश सोनी, इंजी. सुनील व्यास, अजीजुल्लाह खान, इंजी. एस के जैन, बंशीलाल टांक आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

श्रीनगर में आतंकियों का बड़ा हमला...

खरीदारी कर रहे लोगों पर फेंका ग्रेनेड, 12 लोग घायल

श्रीनगर, 03 नवम्बर। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर जिले में रविवार को संडे मार्केट में खरीदारी कर रहे लोगों पर आतंकियों ने ग्रेनेड फेंक दिया। हमले में 12 नागरिकों के घायल होने की जानकारी मिली है। पुलिस के अनुसार आतंकवादियों ने आम नागरिकों को ही निशाना बनाया था। मार्केट में जुटी भीड़ के ऊपर ग्रेनेड फेंका गया है। बताया जा रहा है कि घायलों की संख्या बढ़ सकती है।

वहीं, पुलिस और सेना की टीमें आतंकियों की तलाश में जुटी हैं। सूत्रों के अनुसार ग्रेनेड पर्यटन स्वागत केंद के खेल के मैदान के बाहर फेंका गया है। आतंकी कहां से आए, हमले के बाद कहां से फरार हुए? पुलिस और सेना इसका पता लगाने में जुटी हैं। इससे पहले मार्च 2022 में भी श्रीनगर के हरि सिंह हाई स्ट्रीट बाजार में रविवार के दिन आतंकियों ने ग्रेनेड अटैक किया था। जिसमें एक पुलिसकर्मी समेत 24 लोग घायल हो गए थे। बाद में एक घायल शख्स की मौत हो गई थी। पुलिस को आतंकियों का सुराग नहीं लगा था। भीड़ को टारगेट कर हमला किया गया था। अगस्त 2022 में आतंकियों ने श्रीनगर में सीआरपीएफ कैंप पर ग्रेनेड फेंका था। जिसमें एक जवान घायल हो गया था। स्थानीय पुलिस और सेना ने आतंकियों की घेराबंदी के बाद अभियान चलाया था। वहीं, जम्मू कश्मीर में चुनाव के बाद फोर्स हटने के बाद एक बार फिर आतंकी सक्रिय हो चुके हैं। बाहरी राज्यों के मजदूरों को टारगेट किया जा रहा है।

बांदीपोरा में सेना के शिविर में किया था हमला–दो दिन पहले आतंकियों ने उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा में 14 राष्ट्रीय राइफल्स के शिविर को निशाना बनाया था। शिविर पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। जिसके बाद सेना ने जब मोर्चा संभाला तो आतंकी भाग खड़े हुए थे। कुछ समय पहले आतंकियों ने दो प्रवासी मजदूरों पर भी फायरिंग की थी। सेना के शिविर से कुछ दूरी पर आतंकियों ने संतरी पर फायरिंग की थी। लेकिन तभी सेना के दूसरे जवानों ने भी फायरिंग शुरू कर दी। जिसके बाद आतंकियों के पांव उखड़ गए।

शिव संगम भवन पर दीपोत्सव पर शीतल दीदी ने कहा...

मन में परमात्मा की याद का खजाना जमा करने का पर्व है दीपावली

पिपलियामंडी, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय पिपलिया सेवाकेंद्र में शिव संगम भवन पर दीपावली पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर आयोजित विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शीतल दीदी ने कहा दीपोत्सव भारतीय संस्कृति का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। इस पर्व में क्या अमीर क्या गरीब, बच्चे, बूढ़े, माताएं, बहनें, भाई सभी के मन में अपार उत्साह देखा जाता है। यह इस बात का प्रतीक है कि दीपोत्सव स्वर्णिम सतयुगी दुनिया का यादगार पर्व है। किस प्रकार आने वाली स्वर्णिम दुनिया में सदा हर्ष उमंग उल्लास के साथ ही भरपूर ऐश्वर्य और सुख शांति का वातावरण होगा। उस का ही यादगार ये पांच दिवसीय दीपोत्सव है। परमात्मा शिव बाबा कहते हैं कि हर मानव को वर्तमान समय में उस दैवीय राजधानी में आने का पुरुषार्थ करना है। सच्चे अर्थों में दीपावली यही है कि हम अपने मन में व्याप्त पांच विकारों रूपी गंदगी साफ कर उसमें परमात्मा की याद का खजाना जमा करें। मन साफ व स्वच्छ होगा तो स्थूल धन, धान्य समृद्धि की भी भरपूरता होगी। बीके कुशाल दीदी ने भी दिपावली पर्व पर विचार रखे। इस अवसर पर आयोजित स्नेह मिलन समारोह में शिव बाबा को विशेष महाभोग लगाया। भाई-बहनों ने दीप प्रज्ज्वलित किया। सेवाकेंद्र की आकर्षक सजावट की गई। सभी को आत्म स्मृति का तिलक लगाकर बहनों के हाथों से निर्मित महाभोग वितरण किया गया। नगर सहित अंचल के बही, सेमली, खत्याखेड़ी, कनघट्टी, बूढ़ा आदि कई स्थानों से कई ब्रह्मावत्स मौजूद रहे। आभार बी के शीतल दीदी ने व्यक्त किया।

महिला को पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 03 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। महिला के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। शक्करखेड़ी निवासी गोपालीबाई पति मदनलाल बागरी ने नाहरगढ़ थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई खण्डेरिया मारु निवासी महेश पिता मोहन बलाई ने बाइक से टक्कर मार दी और बोला कि मेरे खेत से फलियां क्यों बिन रही है। मैंने मना किया तो गाली-गलौज कर मारपीट की पत्थर फेंके, जिससे चोंट आई।

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार (मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें)

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1474/खनिज/2024 — मंदसौर, दिनांक-30.10.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// द्वितीय सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अर्जुन गुर्जर पिता बंशीलाल गुर्जर निवासी भीलखेड़ी, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 13.09.2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 1234/खनिज/2024 मंदसौर दिनांक 20.09.2024 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 19.11.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मंदसौर	भूकि	236	2.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर, एम. सेण्ड एवं मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 19.11.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-18386/24 — जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1483/खनिज/2024 — मंदसौर, दिनांक-30.10.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// द्वितीय सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक सनराईज इंडस्ट्रीज, सुवासरा, तह. सुवासरा, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 10.09.2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 1231/खनिज/2024 मंदसौर दिनांक 20.09.2024 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 19.11.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	सीतामऊ	भुवानगढ़	163	4.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर, एम. सेण्ड एवं मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 19.11.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-18427/24 — देर से घर आए लेकिन दुरूस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

कार्यालय अधीक्षण यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा

उज्जैन मण्डल, उज्जैन कोठी महल के पीछे, उज्जैन (म.प्र.)

Telephone-0734-2510919, Email-seresujjain@mp.gov.in

क्रमांक/1504/तक./ग्रायांसे/2024 — उज्जैन, दिनांक-29.10.2024

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-08/2024-25

उज्जैन मण्डल अंतर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की गई है। उल्लेखित कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

स.क्रं.	जिले का नाम	ऑनलाईन टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि रु. लाख में)
1	2	3	4	5
1	मंदसौर	2024_RES_379401	सरसोद में भीमरुण्डी हनुमान मंदिर में यात्रियों के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.43
2	मंदसौर	2024_RES_379402	धुंधड़का में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.43
3	मंदसौर	2024_RES_379403	अकोदड़ा में मगरा माताजी मंदिर पर यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.43
4	मंदसौर	2024_RES_379404	ढाबला देवल में यात्रियों के लिए विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.43
5	मंदसौर	2024_RES_379405	कचनारा रामदेव मंदिर में यात्रियों के लिए विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.43
6	मंदसौर	2024_RES_379406	घसोई हरनेश्वर महादेव मंदिर में यात्रियों के लिए विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.43
7	मंदसौर	2024_RES_379407	गरड़ा सांवरिया मंदिर में यात्रियों के लिए विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.43
8	मंदसौर	2024_RES_379408	बकाना में भड़केश्वरी माताजी मंदिर में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.43
9	मंदसौर	2024_RES_379409	अरनिया जटिया शनि मंदिर में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.43
10	मंदसौर	2024_RES_379410	आंत्रीखुर्द मणीमहादेव मंदिर में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.43
11	मंदसौर	2024_RES_379411	बरखेड़ा देव में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.43
12	नीमच	2024_RES_379412	हर्कियाखाल बालाजी में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.25
13	नीमच	2024_RES_379413	आंवरीमाताजी चीताखेड़ा मेंयात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.25
14	नीमच	2024_RES_379414	सागारानी माताजी जाट में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.25
15	नीमच	2024_RES_379415	रंगावली माताजी रुपपुरा में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.25
16	नीमच	2024_RES_379416	देवनारायण मंदिर दड़ोली में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.25
17	नीमच	2024_RES_379417	झरनेश्वर महादेव चौकड़ी मेंयात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.25
18	नीमच	2024_RES_379418	केदारेश्वर महादेव बारवाड़िया में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.25
19	नीमच	2024_RES_379419	चारभूजा चौक कंजार्डा में यात्रियों के विश्राम के लिए स्थायी शेड निर्माण	32.25
20	नीमच	2024_RES_379420	ग्राम पंचायत सरोदा के ग्राम चडोल में सामुदायिक भवन डोम का निर्माण	21.93
21	नीमच	2024_RES_379421	ग्राम पंचायत सरोदा की सखतपुरिया में सामुदायिक भवन डोम का निर्माण	21.93
22	नीमच	2024_RES_379422	ग्राम पंचायत तुम्बा के ग्राम कीरपुरखुर्द में सामुदायिक भवन डोम का निर्माण	21.93

उपरोक्त निविदाओं का निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन भुगतान कर क्रय किया जा सकेगा। निविदा प्रपत्र पोर्टल पर दिनांक 07.11.2024 से प्रातः 10.30 से उपलब्ध होगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 19.11.2024 समय 17.30 बजे तक निर्धारित है। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है। उक्त निविदा दिनांक 25.11.2024 को कार्यालय, अधीक्षण यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, उज्जैन मण्डल, उज्जैन में खोली जावेगी।

जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

(पवन बैरागी)
अधीक्षण यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उज्जैन मण्डल, उज्जैन

G-18391/24

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in